संख्याः- 962 /VI(1)/2011-02(11)/2011

प्रेषक,

श्री राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सम्बन्धित जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 29 अप्रैल, 2011

विषयः- वित्तीय वर्ष 2011-12 में जिला योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति उपयोजनान्तर्गत चालू योजनाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला योजना 2011-12 में अनुसूचित जनजाति उपयोजनान्तर्गत चालू योजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु जनपद देहरादून हेतु ₹ 2.90 लाख (₹ दो लाख नब्बे हजार मात्र) तथा जनपद चमोली हेतु ₹ 5.98 (₹ पांच लाख अट्ठानब्बे हजार मात्र) अर्थात कुल ₹ 8.88 लाख (₹ आठ लाख अट्ठासी हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारियों के निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नही देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3-उपरोक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय शासनादेशों में इंगित शर्तो के अधीन किया जायेगा।

4-स्वीकृत की जा रही धनराशि को जनपदवार आवंटित परिव्यय के अनुसार ही निर्गत किया जायेगा। धनराशि व्यय करते समय नियोजन विभाग द्वारा गठित परिव्यय का पूर्ण पालन किया जायेगा।

5-उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि स्वीकृत कार्य/योजना का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी कार्य स्थल पर इस आशय का एक साईनेज स्थापित करेगा कि उक्त कार्य पर्यटन विभाग के सौजन्य से किया गया है एवं साईनेज पर पर्यटन विभाग का लोगो सहित कार्य का विवरण भी इंगित कर दिया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी निर्माण कार्य का भौतिक निरीक्षण कर कार्य पूर्ण होने की सूचना एवं योजना का फोटोग्राफ्स भी यथा समय शासन को उपलब्ध करायेंगे।

6-एक मुश्त रखी जा रही धनराशि का उपयोग सभी जनपदों के नये/चालू निर्माण हेतु किया जायेगा एवं इस प्रकिया में जनपदवार स्वीकृत परिव्यय के अन्तर्गत ही कुल स्वीकृति निर्गत की जायेगी। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चालू योजनाओं को शीर्षप्राथमिकता के आधार पर धनराशि स्वीकृत की जायेगी।

7-जिला योजना पर व्यय जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार मात्राकृत प्लान परिव्यय के अनुसार ही धनराशि का आहरण कर व्यय किया जायेगा।

8-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 30 जून, 2011 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

9-अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा, जो योजनायें जिला नियोजन अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो।

क्रमश :-2

(2) (18)

10–अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय करते समय शासनादेश सख्या–624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0स0/2008, दिनांक 24 मार्च, 2008 का कड़ाई से पालन किया जाय।

11–उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011–12 के अनुदान संख्या–31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक–5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–आयोजनागत–104–सम्वर्धन तथा प्रचार–91–जिला योजना–01 चालू योजनायें–24–वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

12–उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या–267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहें है।

भवदीय,

(राकेश शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या– 7 /VI(1)/2011–02(11)/2011, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
2- सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
3– आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
4– निदेशक, पर्यटन निदेशालय, देहरादून।
5– निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
6– निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
7– निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
8– वित्त अनुभाग–2, उत्तराखण्ड शासन।
9– सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10– अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
11– सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी।
12– एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
13– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।